समर्पण

प्रस्तुत ग्रन्थ
प्रभु महावीर के २६००वें जन्म महोत्सव पर
अपनी गुरुणीजी जिनशासन प्रभाविका
साध्वीरत्न जैन ज्योति श्री स्वर्णकान्ता जी म.
के कर-कमलों में
सहज भाव से समर्पित करते हैं।

रवीन्द्र जैन
पुरुषोत्तम जैन
मण्डी गोविन्दगढ़